DAINIK SAVERA 22.10.2019

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों के परिजनों को किया सम्मानित

अखनूर, 21 अक्तूबर (शमशेर सिंह) : अखनूर स्थित 89वीं वाहिनी सीमा सुरक्षा बल ने 21 अक्तूबर 2019 को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बी.एस.एफ. के शहीद जवानों ने जहां से अंतिम शिक्षा ग्रहण की थी। उन स्कूलों में जाकर वहां पर बने उनके स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनकी शहादत को नमन किया। इस उपलक्ष्य में शहीद परिवारों को सरकारी मॉडल हायर सैकेंडरी स्कूल प्लांवाला में शहीद वीर बलिदानियों के पुण्य स्मरण में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर शहीद परिवारों को धैर्य साहस बंधाते हुए वाहिनी के उपकमांडैंट सुनील कुमार ने स्मृति चिन्ह प्रदान किए। इस दौरान 89वीं बटालियन बी.एस.एफ. के सहायक कमांडैंट जगत सिंह इंस्पैक्टर एल.वी. यादव सब इंस्पैक्टर सुशील कुमार, थाना प्रभारी खौड़ के.पी. सिंह और जनसामान्य नागरिक छात्रों एवं सरकारी मॉडल हायर सैकेंडरी स्कूल पलांवाला के प्रधानाचार्य गोविन्द राम शर्मा अपने अन्य स्टाफ के साथ उपस्थित थे।

शहीद जवानों के परिजनों को सम्मानित करते सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी। (शमशेर सिंह)

भारत-पाक सीमा रेखा देख रोमांचित हुए एन.सी.सी.कैडेट्स

जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ के एन.सी.सी कैडेट्स पहुंचे सुचेतगढ़

सुचेतगढ़ में मौजूद एन.सी.सी कैडेट्स व अन्य पदाधिकारी तथा (दाएं) सीमा सुरक्षा बल के पदाधिकारियों के साथ मौजूद एन.सी.सी. कैडेट्स व अन्य।

जम्मू, 21 अक्तूबर (भूपेन्द्र) : जम्मू-कश्मीर के एन.सी.सी कैडेट्स के साथ मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ निदेशालय के 200 एन.सी.सी कैडेट्स ने आज जम्मू के भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के नजदीक सुचेतगढ़ में सीमा सुरक्षा बल की बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) ऑक्ट्रॉय का दौरा किया। दूसरी जे.एंड.के गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. द्वारा कैम्पिंग ग्राउंड नगरोटा में 12 दिनों तक चलने वाले 'एक-भारत,श्रेष्ठ-भारत' शिविर में ये कैडेट भाग ले रहे हैं, जिन्होने आज पाकिस्तान बॉर्डर नजदीक से देखा और खूब रोमांचित हुए। इस अवसर पर 36 बटालियन बी.एस.एफ. के कंपनी कमांडर द्वारा उन्हें सीमा के महत्व और इतिहास के बारे में जानकारी दी गई। बाद में कैडेट्स को चिकित्सकीय अधिकारी टाइगर डिवीजन के मैडीकल ऑफिसर द्वारा मौखिक और दंत स्वच्छता का व्याख्यान दिया गया। दंत समस्याओं के साथ कैडेटों की जांच और निदान भी किया गया। वहीं उन्हें सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने के लिए हरि निवास संग्रहालय, बागे-ए-बहू, बाहू किला दिखाने को लेकर भी ले जाया गया।